MHNSC-3.1

Sl. No.

III Semester M.A. Degree Examination, October/November-2025

HINDI

विशेष कवी सूरदास

Vishesh Kavi Surdas

(CBCS SLM Scheme)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

Instructions to candidates :- All Sections are compulsory.

SECTION - A

किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1. अधौ, तुम हौ अनि बडभागी।
अपरस रहन सनेह नगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पूरइति पान रहत जल भीतर, ना रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बुँद न ताकौं लागी।
प्रीति–नदी में पाउँ न बोयों, दृष्टी न रुप परागी।

2. मन की मन ही माँझ रही।
कहिरा जाइ कौन पै अधौ,नाहीं परत कही।
अवधि आधार आस आवन की, तन मन विथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि–सुनि–सुवि, विरहिन बिरह दही।
चाहति हुवीं गुहारि जीतहि तैं, उन तैं धार बहीं।
'सूरदास' अब धीर धरहि क्यों, मरजादा न लही।

3. हमारे हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद–नंदन डर, यह हढ करि पकरी।
जागत सोवन स्वप्न दिवस–निसि,कान्ह–कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत हैं ऐसो,ज्यो करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमको लै आए, देखी सुनी न करी।
यह ती 'सूर' तिनहीं लै सौंपी, जिनके मन चकरी।।

4. हरि है राजनीति पढि आए।
समुझी बात कहत मथुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलें ही,अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी नो उनकी, जोग–सँदेस पठाए।
अधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनौ मन फेर पाइऐं चलत जु हुने चुराए।
नेंक्यों अनीति करें। आपन, जे और अतीति छुडाए।
राज धरम तौ यहे 'सूर' जो प्रजा न नाहि सताए।।

[P.T.O.

5. इहिं अंतर मधुकर इक आयौ
निज स्वभाव अनुसार निकट हवै,सुंदर सब्द सुनायौ।
पूछन लागी ताहि गोपिका, कविजा तोहिं पठायौ
कीधौ सूर स्याम सुंदर कौ, हमें संदेसौ लायौ।।

6. अधो! हम आजु भई बडभागी।
जैसे सुमन–गन्ध लै आवनु पवन मधुम अनुरागी।
अति आनन्द बद्यो अँग–अँग में ,परै न यह सुख लागी।
बिसरे सब दुख देखत तुमको स्यामसुन्दर हम लगी।
ज्यों दपनि मधि दृग निरखत जहँ हाथ वहाँ नाहि जाई।
त्यों ही सूर हम मिलीं सॉवरे बिरह–बिया बिसराई।।

SECTION - B

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7. भ्रमरगीत का सारांश लिखिए।

8. सूरदास के वात्सत्स वर्णन पर प्रकाश डालिए।

9. सूर–सूर तुलसी ससी –इस कथन की पृष्टि कीजिए।

10. सूरदास के व्यक्तिगत जीवन पर प्रकाश डालिए।

11. सूर की भाषाशैली का विवेचन कीजिए।

SECTION - C

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12. सूर की काव्यकला पर प्रकाश डालिए।

13. भ्रमरगीत के आधार पर गोपिकाओं का विरह – वर्णन किजिए।

14. सूर की भक्तिभावना का विश्लेषण कीजिए।

15. सूर साहित्य में व्यक्त में व्यक्त कृष्ण के स्वरुप का विवेचन कीजिए।